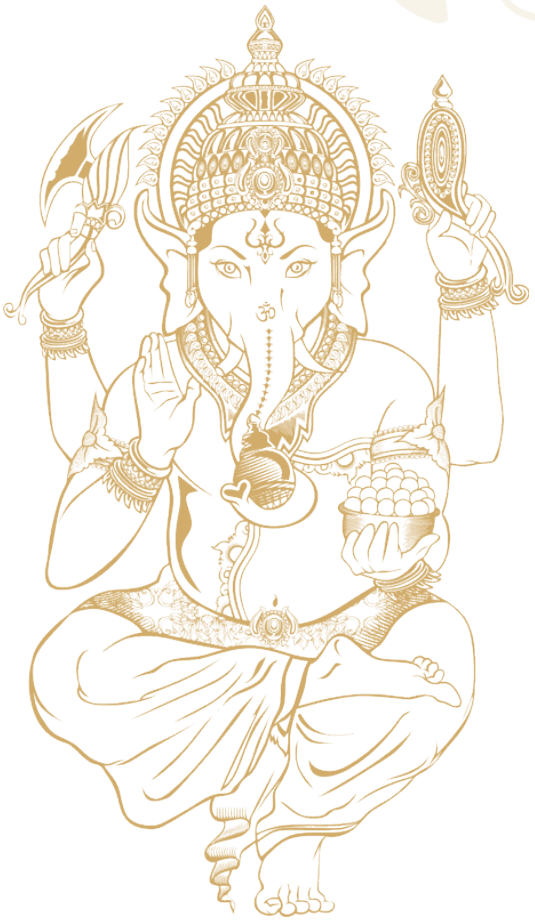

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/12/1997	जन्म तिथि	17/03/2000
रवि-सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	12:33:00 घंटे
घटी 46:50:41	जन्म समय(घटी)	15:20:30 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Sikar
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:43	सूर्योदय	06:36:35
17:30:51	सूर्यास्त	18:38:36
23:49:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 0मा 5दि		26:09:59	कन्या	लग्न	मिथु	14:36:33	बुध 5वर्ष 4मा 28दि	
राहु		06:10:42	धनु	सूर्य	मीन	03:08:24	शुक्र	
27/12/2016		05:31:11	कन्या	चंद्र	कर्क	25:45:23	14/08/2012	
28/12/2034		08:57:50	मक	मंगल	मेष	01:53:36	14/08/2032	
राहु	09/09/2019	25:58:03	वृश्चि व	बुध	कुंभ	09:12:47	शुक्र	14/12/2015
गुरु	02/02/2022	26:22:40	मक	गुरु	मेष	12:05:58	सूर्य	14/12/2016
शनि	09/12/2024	09:36:31	मक	शुक्र	कुंभ	10:51:05	चन्द्र	14/08/2018
बुध	28/06/2027	19:44:01	मीन	शनि	मेष	20:03:13	मंगल	15/10/2019
केतु	16/07/2028	19:47:27	सिंह	राहु व	कर्क	08:34:31	राहु	14/10/2022
शुक्र	17/07/2031	19:47:27	कुंभ	केतु व	मक	08:34:31	गुरु	14/06/2025
सूर्य	09/06/2032	12:45:56	मक	हर्ष	मक	25:08:29	शनि	14/08/2028
चन्द्र	09/12/2033	04:45:23	मक	नेप	मक	11:59:35	बुध	15/06/2031
मंगल	28/12/2034	12:34:29	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:02:43	केतु	14/08/2032

लग्न-चलित

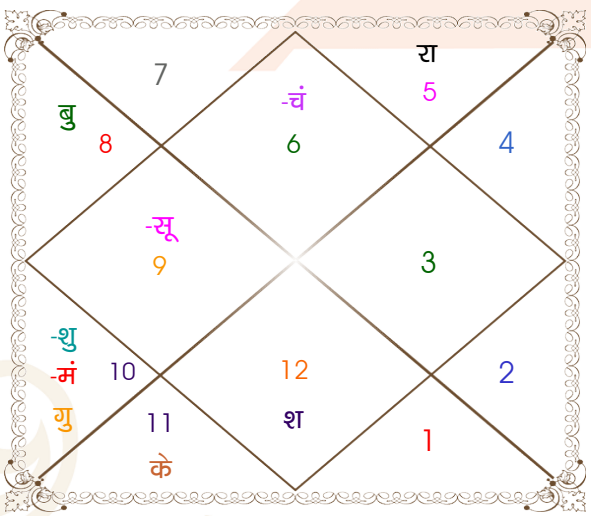

लग्न-चलित

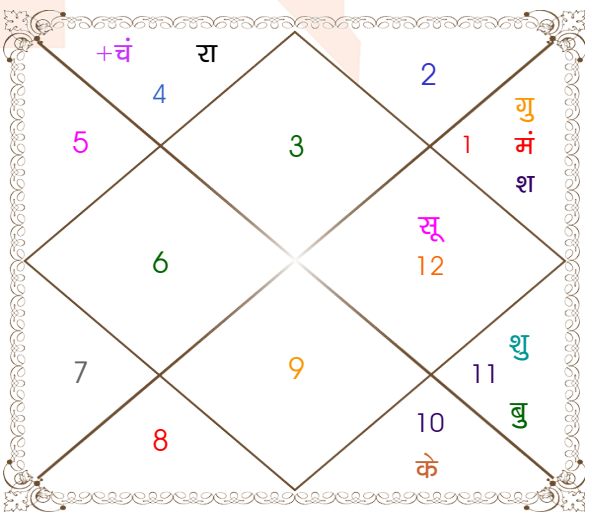

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।